PERCEPTUAL CONSTANCY

प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता

Q→ What do you mean by Perceptual Constancy? Describe its different types. प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता से क्या समझते हैं। इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें।

प्रत्यक्षण का सुविशेष गुण यह है कि इसके द्वारा हम उत्तेजना के भौतिक परिस्थिति में परिवर्तन हो जाने के बावजूद भी उस उत्तेजना के प्रत्यक्षण में कोई परिवर्तन न होकर स्थिरता बनी रहती है। जो प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता के नाम से पुकारा जाता है। ~~जिसे परिभाषित करते~~ जैसे - कोयला के एक टुकड़े को कमरा में रखने पर और सूर्य की रोशनी में रखने पर व्यक्ति उसका प्रत्यक्षण कोयला के रूप में ही करेगा इतना अवश्य होगा कि सूर्य की रोशनी में कोयले का चमकीलापन रूप की अपेक्षा अधिक होगा। इसे परिभाषित करते हुए ~~Str Sat~~ Sartain, North, Strange & Champman 1973 ने बताया कि - Perceptual constancy ---- is the tendancy of a stimulus situation to be perceived in approximately the same way under varying circumstances." अर्थात् सर्टेन, ~~अ~~ नार्थ, स्टैन्ज तथा चैपमैन 1973 ने बताया कि - भिन्न-2 परिस्थितियों में उत्तेजनाओं को करीब-2 समरूप ढंग से प्रत्यक्षण करने की प्रवृति को प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता की संज्ञा दी जाती है।

प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता के प्रमुख दो कारण हैं - पहला प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता का अनुभव इसलिए होता है चूँकि प्रत्यक्ष प्रत्यक्षण किया जाने वाला उत्तेजना की अपनी पृष्ठभूमि के साथ एक निश्चित तथा अटल संबंध होता है इसी से निसंकोच परिस्थिति में परिवर्तन के बावजूद भी व्यक्ति किसी उत्तेजना को पहले के समान ही देखता है जैसे - एक लाल कलम को हरा कागज के टुकड़े पर रखकर दिखाया जाए फिर पीला ~~कागज~~ कागज के टुकड़े पर उसी कलम को दिखाया जाए तो दोनों ही परिस्थितियों में लाल कलम का प्रत्यक्षण लाल कलम के रूप में ही होता है। जबकि दूसरा कारण को स्पष्ट करते हुए बताया गया कि - हमलोगों में किसी उत्तेजना के मुख्य गुणों को ग्रहण करने की एक तीव्र प्रवृत्ति होती है ताकि वही उत्तेजना यदि हमारे सामने कुछ विकृत रूप में भी आए तो हम उसका प्रत्यक्षण पहले की ही तरह कर सकें जैसे - बिल्ली नायो

Scanned with CamScanner

या नायिकाओं कितने ही भिन्न-2 रूपों में देखते हैं फिर भी हम उनके कुछ गुणों जैसे - बोलने के ढंग चलने के ढंग ऊंचाई चेहरे की बनावट आदि को अपने मन में इस तरह से इकट्ठा करके रखे रहते हैं ताकि उसका प्रत्यक्षण करने में कोई कठिनाई नहीं होती है। कभी-2 हम उत्तेजना का सही प्रत्यक्षण नहीं कर पाते है तो मनोवैज्ञानिकों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता उत्तेजनाओं की अवस्थाओं पर सीधे निर्भर करता है। और यदि उत्तेजनाओं की अवस्थाओं में काफी अधिक परिवर्तन कर दिया जाए तो प्रत्यक्षण ऐसी स्थिरता नहीं पायी जाएगी।

प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता के अनेक प्रकार हैं उनमें कुछ प्रमुख प्रकार निम्नलिखित हैं।

1. Shape constancy रूप स्थिरता -

देखा जाता है कि वस्तु को देखने की परिस्थिति में परिवर्तन होने से वस्तु के रूप की जो प्रतिमा रेटिना (Retina) पर बनती है उसमें परिवर्तन हो ~~जाता है~~ जाने के बावजूद भी वस्तु के रूप के प्रत्यक्षण में कोई परिवर्तन नहीं होता है उसे स्पष्ट करते हुए Chaplin 1975 ने बताया कि shape constancy in the tendency to perceive objects as having the same shape regardless ~~of~~ of variations in the condition of viewing' अर्थात निरीक्षण परिस्थिति के परिवर्तन के बावजूद वस्तु के प्रत्येक रूप के प्रत्यक्षीकरण की प्रवृत्ति को रूप स्थिरता कहते हैं। जैसे - एक प्लेट को एक टेबुल पर रखकर और बैठकर या खड़ा होकर देखें तो उस प्लेट का का रूप समान दिखाई देगा फिर उस प्लेट को टेबुल के दूसरे छोर पर रख दें और बैठकर देखें तो उसकी प्रतिमा ~~अक्षिपटल~~ पर रेटिना पर अंडाकार बनने के बावजूद भी उस प्लेट का आकार पहले ~~जैसा~~ की तरह ही दिखाई देगा। स्पष्ट होता है कि वस्तु की रूप की ~~प्रतिमा~~ प्रतिमा में परिवर्तन के बावजूद भी

उसके रूप का प्रत्यक्षीकरण किया रहता है। इससे सहमत होते हुए थाउलेस ने बताया कि प्रत्यक्षण स्थिरता की विशेषता यह है कि - व्यक्ति का प्रत्यक्षीकरण न तो वास्तविक वस्तु के समान होता है और न ही उसकी प्रतिमा के समान। वरन वास्तविक वस्तु और प्रतिमा के बीच प्रत्यक्षीकरण होता है।

2. Size constancy आकार स्थिरता -

आकार स्थिरता का अर्थ यह है कि किसी वस्तु को दूर से देखने पर उसकी प्रतिमा रेटिना पर छोटी बनती है तथा उसी वस्तु को नजदीक से देखने पर उस वस्तु के प्रतिमा का आकार बड़ा हो जाता है किन्तु वस्तु के आकार का प्रत्यक्षण पहले के जैसा ही होता है Margon King and Robinson 1996 ने इसको स्पष्ट करते हुए बताया कि size constancy is the tendency to perceive the size of familiar objects as relatively constant even when viewed at a distance that makes the image of them on the retina very small.' यानि परिचित वस्तुओं की दूरी बढ़ जाने पर उसकी प्रतिमा छोटी हो जाने के बावजूद भी उसके आकार के प्रत्यक्षीकरण के समान रहने प्रवृत्ति को ही आकार स्थिरता कहा जाता है।

Zeigler & Leibowitz 1957 ने बताया कि बच्चों की अपेक्षा व्यस्कों में आकार स्थिरता अधिक पायी जाती है क्योंकि व्यस्कों के प्रत्यक्षण में अधिक से अधिक संकेत (cues) शामिल होते है। जबकि Halway and Boring 1941 ने अपने अध्ययन में पाया कि दोनों आँखों से किसी वस्तु को देखने पर आकार स्थिरता अधिक पायी जाती है जबकि एक आँख से देखने पर यह स्थिरता घट जाती है।

3. Colour Constancy रंग स्थिरता -

रंग स्थिरता का तात्पर्य यह है कि - प्रकाश की अवस्थाओं में परिवर्तन होने के बावजूद भी वस्तु के रंग का प्रत्यक्षण

Scanned with CamScanner

पहले की ही तरह होता है जैसे - हरी घास को चाहे धूप में देखें या छाया में उसका रंग हरा ही दिखाई पड़ता है। रंग मिश्रण नियम के अनुसार दो पृथक रंगों के मिला देने पर हरा रंग उत्पन्न होता है और नीला और पीला रंगो को मिलाने पर हरा रंग उत्पन्न होता है। परंतु इन परिवर्तन के बाद भी एक वस्तु का प्रत्यक्षण उसके वास्तविक रंग में ही होता है।

4. Brightness Constancy चमक स्थिरता -

चमक स्थिरता का अर्थ यह है कि आँख को उत्तेजित करने वाली भौतिक परिस्थिति में परिवर्तन होने के बावजूद भी वस्तु की चमक का प्रत्यक्षण पहले की ही तरह होता है। Margon 1996 ने और स्पष्ट करते हुए बताया कि - "Brightness constancy is a phenomenon of perception in which persons perceives an object having almost the same brightness ~~desip~~ despite marked changes in the physical energy stimulating the eye." यानि चमक स्थिरता में व्यक्ति किसी वस्तु की चमक को पूर्ववत रूप में देखता है हालांकि आँख को उत्तेजित करनेवाली भौतिक शक्ति में स्पष्ट भिन्नता होती है। जैसे कोयला कोयला को रात में देखें या दिन में उसका रंग काला ही दिखायी देगा। इसी तरह बर्फ को रात में देखें या दिन में उसका रंग उजला ही दिखायी देगा।

इस संबंध में किये गए अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि ~~इसका~~ चमक स्थिरता का प्रमुख कारण यह है कि प्रकाश के बदलने पर संपूर्ण प्रत्यक्षण क्षेत्र समान अनुपात में बदल जाता है। लेकिन Jameson and Herrich ने स्पष्ट किया कि यह नियम सभी तीव्रता वाले उत्तेजनाओं के साथ लागू नहीं होता है।

इन उपर्युक्त विवादों से स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्याशीकरण स्थिरता के ये चार प्रकार हैं जिन पर बहुत हद तक प्रत्याशीकरण स्थिरता ~~किस~~ का निर्भर होती है।